माननीय अध्यक्ष का समापन भाषण।

माननीय सदस्यगण षष्टम झारखण्ड विधान सभा के पहले चार दिवसीय सत्र का सुखद समापन होने जा रहा है।

इस सत्र में सभी नवनिर्वाचित माननीय सदस्यों का शपथ ग्रहण संम्पन्न हुआ मै समझता हूँ कि यह गौरव का क्षण होता है और जनता के प्रति उत्तरदायी होने का एहसास कराता है । सदन में माननीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण हुआ । अभिभाषण के माध्यम से नवगठित सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। इसके साथ ही राज्य के चहुमुँखी विकास के लिए अपनी नीतियॉ और दिशा तय करने का प्रयास किया। श्री हेमंन्त सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने विषेशकर शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और पोषण इत्यादि पर जोर दिया है। माननीय राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में सरकार का वित्तीय प्रबंधन, रोजगार, संरचनाओं की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया है।

इस अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित करके आप सभी माननीय सदस्यों ने कृतज्ञता ज्ञापित की है। मैं आप सभी के प्रति आभार प्रकट करता

हूँ। सभा द्वारा पारित धन्यवाद प्रस्ताव की सूचना माननीय राज्यपाल महोदय को प्रेषित कर दी जाएगी।

यहॉ पर सभी माननीय सदस्य अलग–अलग दलों से, अलग–अलग विचारधाराओं से, अलग–अलग क्षेत्रों से आते हैं, लेकिन मैं उम्मीद करता हूँ कि मेरा पूर्व कार्यकाल के भाँति मेरे सभी सदस्य एक परिवार जैसा लगे आत्मीयता का भाव हो । हमेशा मेंरे जीवन में अविस्मरणीय हो, न पक्ष, न विपक्ष सब मेरे लिए सदस्य हैं।

इस सत्र में वर्तमान वित्तीय वर्ष का द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया गया। इस पर माननीय सदस्यों ने सार्थक रचनात्मक चर्चा की। कई माननीय सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए कुछ माननीय सदस्यों ने अपने–अपने क्षेत्रों की समस्याओं को रेखांकित किया। राज्य के चहुमुँखी विकास के लिए ये सुझाव निःसदेह महत्वपूर्ण है। माननीय श्री हेमन्त सोरेन जी के नेतृत्व वाली सरकार से उम्मीद करता हूँ कि वे राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए वांछित सुझावों का आकलन कर अपनी सीमा के तहत आनेवाले समय में बजट में समाहित करेंगे।

चार दिनों का यह सत्र में मैंने महसूस किया कि राज्य के कल्याण के लिए, यहाँ की साढ़े तीन करोड़ की जनता के अपेक्षाओं और आंकाक्षाओं को पूरा करने के लिए, राज्य को एक उच्च स्थान पर ले जाने के लिए, पक्ष और विपक्ष दोनों की भावनाएँ एक जैसी है। आनेवाले समय में यह भावना हमारे बीच कायम रहे, मैं यह कामना करता हूँ। इस सत्र से चरितार्थ होता है कि **"Morning shows the day"** षष्टम झारखण्ड विधान सभा का पहला सत्र जिस प्रकार से सम्पन्न हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह एक ऐतिहासिक साबित होगा। एवं पूरे देश में एक उच्च कोटि का संसदीय परंपरा स्थापित करेगा।

आने वाले दिनों में क्रिसमस, नया साल, मकर संक्राति, सोहराय, बसंत पंचमी हम मनायेंगे। इन त्योहारों का उल्लास, हर्ष, मिठास झारखण्ड के जनजीवन में सदैव बना रहे। इन्हीं शुभकामानाओं के साथ सभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया जाता है।

जोहार।